



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 180]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 10, 1984/अग्राहायण 19, 1906

No. 180]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 10, 1984/AGRAHAYANA 19, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(वार्धिक कार्य विभाग)

अभिसूचना

नयी दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1984

सं. एफ 4 (5) डब्ल्यू एण्ड एम/84 :—8.50 प्रतिशत ऋण, 1994 (बीया निर्गम), 9.50 प्रतिशत ऋण, 2004 (तीसरा निर्गम) और 10.50 प्रतिशत ऋण 2014 (तूसरा निर्गम) के लिए 750 करोड़ रुपये को कुल राशि के लिए 17 दिसम्बर 1984 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जाएंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 17 दिसम्बर 1984 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आवाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जाएंगे। सरकार को 750 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 825 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिदाताओं को ऋणों के संदर्भ में आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया

जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशोध्य अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. 8. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 1 जून 1994 को सममूल्य पर प्रतिदेय 8.50 प्रतिशत ऋण, 1994 (बीया निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 1 जून 1994 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु. 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 100.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 17 दिसम्बर, 1984 से वार्षिक 8.50 प्रतिशत होगी। 17 दिसम्बर, 1984 से 31 मई, 1985 (दोनों दिन मिलाकर) तक का ब्याज 1 जून 1985 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 1 दिसम्बर और 1 जून को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत

कर लगेगा। ब्याज को शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 1 जून 2004 को सममूल्य पर प्रतिदेय 9.50 प्रतिशत ऋण 2004 (तीसरा निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 1 जून 2004 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु. 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 100.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण को ब्याज दर 17 दिसम्बर, 1984 से वार्षिक 9.50 प्रतिशत होगी। 17 दिसम्बर, 1984 से 31 मई, 1985 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 1 जन 1985 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 1 दिसम्बर और 1 जून को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नोचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज को शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जाएगी।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 29 अक्टूबर 2014 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 2014 (दूसरा निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 29 अक्टूबर, 2014 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु. 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 100.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण को ब्याज दर 17 दिसम्बर, 1984 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 17 दिसम्बर, 1984 से 28 अप्रैल, 1985 (दोनों दिन मिलाकर) तक का ब्याज 29 अप्रैल, 1985 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 29 अक्टूबर और 29 अप्रैल को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नोचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज को शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी।

पूरक व्यवस्थाएं

6. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :—

- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद,

जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

7. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

8. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर को वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है, वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किये जानेवाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जानेवाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 2,65,000 रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियाँ निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी :—

- (1) स्टाक प्रमाणपत्र; या (2) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु. 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन पत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

14. आवेदनपत्र के साथ आवश्यक राशि नकदी या बैंक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जानेवाले बैंक संबंधित बैंक के नाम आह्वित किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से ऋण आवेदन-पत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक-वाणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिदानों के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

दलाली का अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,
ए. रंगाचारी, संयुक्त सचिव

आवेदन पत्र का फार्म

मैं/हम*

इसके

(पूरा/पूरे नाम)

साथ रु० _____ (रुपय) के लिये नकदी/बैंक* प्रस्तुत करना हूँ/करते हैं* और यह अमुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में वचनपत्र (पत्रों)*/स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में रु० _____ के सांकेतिक मूल्य के 8.50 प्रतिशत ऋण 1994 (चीया निर्गम)* /9.50 प्रतिशत ऋण, 2004 (तीराय निर्गम*)/10.50 प्रतिशत ऋण, 2014 (दूध निर्गम)* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं:—

प्रति वचनपत्र रु० का(के)† वचनपत्र
प्रति वचनपत्र रु० का(के)† वचनपत्र
प्रति वचन पत्र रु० का(के)† वचनपत्र
2 मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी: इस खाते में आवेदक कुछ न लिखे।

प्रतिभूतियां आदाता कार्यालय द्वारा दी जायेंगी।

छोट हस्ताक्षर

दिनांक

हस्ताक्षर

पूरा(पूरे) नाम

पता:

दिनांक : _____ दिसंबर 1984

आवेदक पत्र सं०

"दलाली नहीं" मुहर

नकदी प्राप्त होने की तारीख

बैंक बसूल होने की तारीख

विशेष ब्याज खाते में अमा करने की तारीख

जांच की गयी

नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया

दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया

मांग पत्र सं०

प्रतिभूति सं०

कार्ड सं०

वाउचर पारित करने की तारीख

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

रु० 100, रु० 200 रु० 500, रु० 1,000 ० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जायेंगे।

जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहाँ उल्लेख कर।

टिप्पणियाँ : (1) प्रत्येक ऋण, अभिवान के प्रत्येक प्रकार और अवैधित नये ऋण के प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) लिये अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साथी हों। उभारियों के हस्ताक्षरों के साथ उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाए।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेदन आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएं:—

(1) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।

(2) कंपनी/निकाय के शासन पत्र और अंतर्नियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।

(3) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिये प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् स्थापित मूला हस्ताक्षर (हस्ताक्षरों) के साथ।

(4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छमाही व्यय के प्रेषण के लिये (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेण फार्म भी भरना चाहिये।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 1984

No. F. 4(5)W&M/84.—Subscriptions for the issues of 8.50 per cent. Loan, 1994 (Fourth Issue), 9.50 per cent. Loan, 2004 (Third Issue) and 10.50 per cent. Loan, 2014 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 750 crores will be received in the form of cash on the 17th December, 1984 upto the close of Banking hours. In the event of 17th December 1984 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 750 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 825 crores, partial allotment will be made in respect of the Loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 8.50 per cent. Loan, 1994 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 1st June, 1994.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 1st June, 1994.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 8.50 per cent. per annum from 17th December, 1984. Interest for the period from 17th December, 1984 to 31st May, 1985 (inclusive) will be paid on 1st June 1985 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 1st December and 1st June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below,

be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 9.50 per cent. Loan, 2004 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 1st June, 2004.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 1st June, 2004.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 9.50 per cent. per annum from 17th December, 1984. Interest for the period from 17th December, 1984 to 31st May, 1985 (inclusive) will be paid on 1st June, 1985 and thereafter interest will be paid half yearly in the 1st December and 1st June. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 10.50 per cent. Loan, 2014 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 29th October, 2014.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 29th October, 2014.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent. per annum from 17th December, 1984. Interest for the period from 17th December, 1984 to 28th April, 1985 (inclusive) will be paid on 29th April, 1985 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 29th October and 29th April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Application will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the District Headquarters in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate can obtain, on application, a certificate from the income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from Income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 2,65,000.

11. The Securities will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the Securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the Loans—Applications for the Loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokers in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By Order of the President,

A. RANGACHARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We
[Full Name(s) in Block Letters]

herewith

*Cash
tender—Rs (Rupees)/

Cheque for
and request that Securities of 8.50 per cent. Loan, 1994 (Fourth Issue)* / 9.50 per cent. Loan, 2004 (Third Issue) * / 10.50 per cent. Loan, 2014 (Second Issue)* of the nominal value of Rs.

may be issued to me/us* in the form of

†Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below:—

Stock Certificate.

..... Promissory Note(s) + of Rs each
..... Promissory Note(s) + of Rs each
..... Promissory Note(s) + of Rs each

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage.
The entries will be filled in by the Receiving Office.

	Initials	Date	
Application No			Signature(s)
N.B. Stamp			Name(s) in full..... (Block Letters)
Cash Received on			Address
Cheque Realised on
Credited to Special Current Account on
Examined
Cash Applications
Register Posted			Dated, the of December, 1984.
Brokerage Register Posted			
Indent No			
Scrip No.			
Card No			
Voucher passed on			

*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

NOTES :—(1) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the Issuing Authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the Company/Body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

